SET - I

VIII-09H(A)

SUMMATIVE ASSESSMENT - III (2016 - 17)

Second Language - HINDI

Part - A & B

Class : VIII **(Max. Marks : 80)** **Time : 2.45 Mts.**

---

1. 1) विल्मा का जन्म 23 जून, 1940 को हुआ।

2) विल्मा की माँ घर-घर जाकर झाड़ू-पोछा लगाया करती थी।

3) विल्मा को चार वर्ष की उम्र में पोलियो हो गया था।

4) जमीन शब्द का समानार्थी शब्द भूमी (धरती, वसुंधरा, अवनी) हैं।

5) यह गद्यांश हार के आगे जीत है पाठ से दिया गया हैं।

2. 1. B) मोर

2. D) मोर

3. A) चोंच मारकर

4. B) टोलियाँ

5. A) अपने घर में

3. 1) नदियाँ निर्मल बहती है।

2) जग की प्यास निर्मल नदियाँ बुझाती है।

3) पर्वतों से मीठे झरने बहते है।

4) जग का अर्थ संसार (दुनिया, विश्व) हैं।

5) यह पद्यांश कौन नामक कविता पाठ से दिया गया है।

4. 1. B) सूरज

2. A) कलियाँ

3. C) आसमान में

4. D) गगन

5. A) हवा

II. 5. तुलसीदास हिंदी के प्राचीन थे। वे राम भक्त थे। उनका जन्म सन् 1532 में हुआ। मृत्यु सन् 1623 में हुआ। उन्होंने रामचरितमानस नामक ग्रंध की रचना की।

6. पेड मानव जाति के लिए बहुत उपयोगी है। पेडों से हमें

1. फल-फूल मिलते हैं।
2. प्राण वायु मिलता हैं।
3. औषध मिलते हैं।
4. ईंधन मिलता हैं।
5. पर्यावरण का प्रदूषण दूर होता हैं।

7. स्वतंत्रता दिवस के दिन मैं सुबह बजें पाठशाला जाता हूँ। पाठशाला में श्रीमान अतिथि महोदय झंडा फहराते हैं। सब लोगों के साथ झंडे को वरना करता हूँ। वीर शदीदों को याद करता हूँ। उनके जीवन से प्रेरणा पाता हूँ।

8. लुहार - लोहे के सामान बनाने वाला।
   कुम्हार - मिट्टी से बरतन और खिलोने बनाने वाला।ॉ
   जुलाहा - कपडा बुनने वाला।
   बढ़ई - लकडीं से तरह-तरह के सामान बनाने वाला।
   सुनार - सोने-चाँदी का काम करने वाला।
   बसोर - बाँस से टोकरी, झूले आदि बनाने वाला।

9. कुतुब मीनार दिल्ली में स्थित पुरानी इमारत है। यह बहुत ऊँचा मीनार है। इसे कुतुबुददीन ऐबक ने बनवाया था। इसकी ऊँचाई 280 फूट के करीब है। ऊपर पहुँचने के लिए 379 सीढियाँ है।

10. किसी बी काम को सोच-समझकर करना चाहिए। छोटी-छोटी चीजें बी बहुत महत्वपूर्ण होती है। एक महान विजय हासिल करने के लिए पहले कदम उठाना आवश्यक हैं।

III. 11. कविता - हम होंगे कामयाब
कवि - श्री गिरिजा कुमार माधुर

हम होंगे कामयाब प्रेरणादायक कविता है। इस कविता के मूलकवि चार्ल्स अलषर्ट टिंड्ली हैं। अनुवादक श्री गिरिजा कुमार माधुर हैं। कवि का संदेश इस प्रकार है।

कवि कहते हैं - हम सब एक न एक दिन जरूर सफल होंगे। हमारे मन में पूरा विश्वास है। सफलता के लिए विश्वास ही सब कुछ होता है। एक दिन अवश्य विजयी होंगे। इस तरह रहने से हमारे चारों ओर शांति की स्थापना होगी। हम सब एक जूट होकर चलेंगे तो कामयाब होंगे। एकता में बडी शक्ति होती है। आज हमें किसी का डर नहीं हैं। बिना डर के धैर्य से आगे बढेंगे।

विशेषता : एकता की बावना व्यक्त हुई है।

12. कविता - अनमोल रत्न

कवि - तुलसीदास (1532-1623) , रहीम (1556-1626)

इस पाठ में तुलसीदास और रहीम के दोहे दिये गये हैं। तुलसीदास के दोहों के नैतिक मूल्य इस प्रकार हैं। जैसे हमारे कार्य होते हैं। वैसे ही फल हमें प्राप्त होते हैं। अर्थात् जो बोसा जाता है, उसी को प्राप्त करना पडता है।

विपत्ति के समय शिक्षा, विनय, विवेक, साहस, अच्छे कार्य और सच्चाई ही साथ देते हैं।

रहीम के दोहों के नैतिक मूल्य इस प्रकार है। जिस तरह फूटे हुए दूध से मक्खन नहीं बनता। उसी तरह बिगाड बात अनेक प्रयत्न करने पर भी नहीं बनती। जैसे हीरा अपना मूल्य स्वयं नही कहता उसी प्रकार बडे अपनी बडाई आप नहीं करते हैं।

विशेषता : एकता की बावना व्यक्त हुई है।

IV. 13. राजा बदल गया कहानी पाठ है। राजेश नामक एक लडका था। वह ईमानदार था। उसने अपने व्यक्तित्व से राजा को बदल दिया। एक बार वह जंगल से जा रहा था। जाते समय रास्ते में उसे एक सोने का सिक्का मिला। उसी रास्ते में उसे एक साधु मिला। राजेश ने उस मूल्यवान सिक्के को साधु को दिया। साधु ने लेने से इनकार किया। साधु ने उस सिक्के को किसी निर्धन को देने की सलाह दी।

उसी रास्ते में राजा शूरसिंह पड़ोसी देश पर आक्रमण कर लूटने जा रहा था। राजेश ने सिक्के को राजा को दिया। राजेश ने सामझा था कि, राजा गरीब हैं। इसलिए वह लूटने सेना के साथ जा रहा था। राजा ने सिक्का लेने से इनकार किया। राजेश पर क्रोधित हुआ। वास्तव जानकर शांत होगया। उसे अपनी भूल महसूस हुई। राजेश की प्रसंसा करते हुए सेना को वापस लौटने का आदेश दिया। अपनी संपत्ति को गरीबों में खर्च करना आरंभ किया।

नीति :- इस कहानी से ईमानदारी का महत्व मालूम होता हैं।

14. मैं सिनेमा हूँ। पाठ आत्मकथा पाठ है। इस पाठ में सिनेमा की आत्मकथा वर्णित है। अपने बारे में सिनेमा इस प्रकार बताता है।

सब लोगों को सिनेमा देखना अच्छा लगता हैं। वास्तव में इसका जन्म विदेश में हुआ था। इसे भारत में लाने का श्रेय दादा साहेब फाल्के को मिलता हैं। सर्व प्रथम सिनेमा मूक था। बाद में उस में बोलने की श्रमता आई। हास्य, सुख आदि सभी भाव सिनेमा में होते हैं।

सिनेमा के निर्माण में कई लोगों का योगदान होता हैं। कहानीकार कहानी लिखता हैं। निर्माता उसे खरीदता है। निर्माता ही सिनेमा को सिनेमाहारों तक पहुँचाने वाला महत्वपूर्ण व्यक्ति है।

निर्देशक निर्माता को सहायता करता है। वह सिनेमा से जूडे सभी लोगों जैसे नायक - नायिका, पात्र, संगीत निर्देशक, कथाकार, आदि को एक सूत्र में बाँधता है।

सिनेमा के अच्छे और बुरें दोनों रुप हैं। लोगों को सिनेमा से अच्छाई को स्वीकार करना है। सिनेमा घरों में ही उसे देखना चाहिएष पाइरेटेड रुप देखना और दिखाना दोनों कानूनन अपराध हैं।

V. 15. स्थान - ½
दिनांक - ½
सेवा में - 1
संबोधन - ½
विषय - 2
समाप्ति - ½
कुल - **5**

16. स्थान - ½
दिनांक - ½
संबोधन - ½
विषय - 2
समाप्ति - ½
पता - 1
कुल - **5**

VI. 17. रूपरेखाः
प्रस्तावना - 1
विषय प्रवेश - 1
विषय विस्तारण - 2
उपसंहार - 1
कुल **5**

18. रूपरेखाः
प्रस्तावना - 1
विषय प्रवेश - 1
विषय विस्तारण - 2
उपसंहार - 1
कुल **5**

SET - I

VIII-09H(B)

SUMMATIVE ASSESSMENT - III (2016 - 17)

Second Language - HINDI

PART - B

CLASS : VIII **(Max . Marks : 20)**

---

1. A) भेंट
2. B) स्तुति
3. D) अविश्वास
4. C) बुराई
5. B) बुद्धिमान
6. C) प्रतियोगिता
7. D) सुनार
8. C) दराती
9. D) 48
10. A) बत्तीस
11. B) कवयित्री कविता लिखती है।
12. C) राजेश को सिक्के मिले।
13. A) में
14. D) संज्ञा
15. B) मैं
16. C) नये
17. D) लिखनी
18. C) क्रिया विशेषण
19. A) उपग्रहों की नज़र बडी तेज़ है।
20. C) तुम पाठ पढ़ते हो।